

निपुण लक्ष्य/लक्ष्य FLN के लिए

कक्षा I या आयु 6-7 (Class I or age 6-7)

क्षेत्र	लक्ष्य
मौखिक भाषा (Oral Language)	1. अपनी ज़रूरतों, परिचित व्यक्तियों और आस-पास के बारे में दोस्तों और कक्षा शिक्षक से बातचीत करता है और प्रश्न पूछता है।
	2. कक्षा में, स्कूल परिसर और आस-पास उपलब्ध प्रिंट के बारे में बात करता है।
	3. क्रिया के साथ कविताएँ/गीत सुनाता है।
पढ़ना (Reading)	1. ज़ोर से पढ़ने/कहानी सुनाने के सत्र के दौरान सक्रिय रूप से भाग लेता है और कहानी सत्र के दौरान और बाद में प्रश्नों का उत्तर देता है; प्रॉप्स और कठपुतलियों के साथ परिचित कहानी का अभिनय करता है।
	2. नए शब्द पढ़ने के लिए ध्वनि-प्रतीक पत्राचार का उपयोग करता है।
	3. एक आयु-उपयुक्त अज्ञात पाठ में कम से कम 4-5 सरल शब्दों वाले छोटे वाक्य पढ़ता है।
लिखना (Writing)	1. परिचित संदर्भों (कहानी/कविता/पर्यावरण प्रिंट आदि) में आने वाले शब्दों में मात्राओं से परिचित होता है।
	2. अर्थ व्यक्त करने और अपनी वर्कशीट पर नाम, बधाई संदेश प्रस्तुत करने के लिए लिखता है, चित्र बनाता है, और/या चीज़ें बनाता है, ऐसे चित्र बनाता है जो पहचानने योग्य वस्तुएँ/लोग हों।
	3. आविष्कार की गई वर्तनी के साथ शब्द लिखने के लिए ध्वनि-प्रतीक पत्राचार का उपयोग करता है।
संख्या ज्ञान (Numeracy)	4. समझ के साथ 2-3 वाक्य लिखता है।
	1. वस्तुओं की गिनती करता है और 20 तक संख्या बोध विकसित करता है।
	2. अपने परिवेश, आकृतियों और संख्याओं में सरल पैटर्न को पहचानता है और उनका विस्तार करता है।
	3. दैनिक जीवन की स्थितियों में 9 तक की संख्याओं (योग 20 से अधिक नहीं) के जोड़ और घटाव का उपयोग करता है।
	4. अपने आस-पास 3D आकृतियों (ठोस आकृतियों) के भौतिक गुणों का निरीक्षण और वर्णन करता है जैसे गोल/सपाट सतहें, कोनों और किनारों की संख्या आदि।
	5. हाथ की दूरी, पदचाप, उंगलियों आदि जैसे गैर-मानक गैर-समान इकाइयों का उपयोग करके लंबाई का अनुमान लगाता है और सत्यापित करता है, और कप, चम्मच, मग आदि जैसे गैर-मानक समान इकाइयों का उपयोग करके क्षमता का अनुमान लगाता है।
	6. ₹20 तक के भारतीय मुद्रा नोटों और सिक्कों को पहचानता है।

कक्षा II या आयु 7-8 (Class II or age 7-8)

क्षेत्र	लक्ष्य
मौखिक भाषा (Oral Language)	1. कक्षा में उपलब्ध प्रिंट के बारे में बातचीत करता है और बात करता है।
	2. प्रश्न पूछने और दूसरों को सुनने के लिए बातचीत में संलग्न होता है।
	3. गीत/कविताएँ सुनाता है।
	4. कहानियों/कविताओं/प्रिंट आदि में आने वाले परिचित शब्दों को दोहराता है।
पढ़ना (Reading)	1. बच्चों के साहित्य/पाठ्यपुस्तक से कहानियों को पढ़ता है और सुनाता है/दोबारा सुनाता है।
	2. दिए गए शब्द के अक्षरों से सार्थक नए शब्द बनाता है।
	3. समझ, स्पष्टता और प्रवाह के साथ सरल शब्दों वाले 6 से 8 वाक्यों के आयु-उपयुक्त अज्ञात पाठ को पढ़ता है।
लिखना (Writing)	1. अपनी समझ और अभिव्यक्ति को व्यक्त करने के लिए छोटे/सरल वाक्य लिखता है।
	2. सुपाठ्य लेखन के साथ 4 से 5 छोटे वाक्य लिखता है।
संख्या ज्ञान (Numeracy)	1. वस्तुओं की गिनती करता है और 99 तक संख्या बोध विकसित करता है।
	2. विभिन्न आकृतियों और संख्याओं से नए पैटर्न बनाता है।
	3. दैनिक जीवन की स्थितियों में 99 तक की संख्याओं (योग 99 से अधिक नहीं) के जोड़ और घटाव का उपयोग करता है।
	4. दोहराए गए जोड़ के रूप में गुणा और समान वितरण/साझाकरण के रूप में भाग करता है और 2, 3 और 4x के गुणा तथ्य (पहाड़े) बनाता है।
	5. आयत, त्रिकोण, वृत्त, अंडाकार आदि जैसे 2-डी आकृतियों को पहचानता है और उनका वर्णन करता है।
	6. रॉड, पेंसिल, धागा, कप, चम्मच, मग आदि जैसी गैर-मानक समान इकाइयों का उपयोग करके लंबाई/दूरी/क्षमता का अनुमान लगाता है और मापता है, और साधारण संतुलन का उपयोग करके वजन की तुलना करता है।
	7. पास/दूर, अंदर/बाहर, ऊपर/नीचे, बाएँ/दाएँ, सामने/पीछे, ऊपर/नीचे आदि जैसी स्थानिक शब्दावली का उपयोग करता है।
	8. ₹100 तक के पैसे का उपयोग करके सरल लेनदेन करता है।